



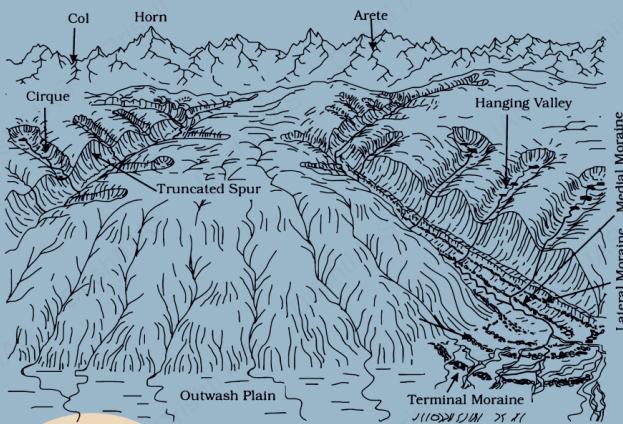
हमिनी स्थलाकृतयाँ



हिमानी स्थलाकृतियाँ GLACIAL LANDFORMS

“क्रिस्टलीय बर्फ, चट्टान, तलछट एवं जल से निर्मित क्षेत्र, जहाँ पर वर्ष के अधिकांश समय बर्फ जमी होती है, को हिमनद/हिमानी कहते हैं।”

अपरदित स्थलरूप



सर्क (Cirque/Cwm)

- * छोटे हिमनद और विशिष्ट रूप से कट्टोर के आकार
- * हिमनद धारियों के शीर्ष पर पाए जाते हैं

गिरिशंग और सिरेटेड कटक (Horns and Serrated Ridges)

- * सर्क के शीर्ष पर अपरदन होने से निर्मित होते हैं
- * उन क्षेत्रों में विद्युमान जहाँ कई हिमनद विभिन्न दिशाओं में प्रवाहित होते हैं

हिमनद धारी/गार्फ (Glacial Valleys/Troughs)

- * गार्फ की खाली होती है तथा आकार में अंगूजी के अक्ष U जैसी, जिनके तल चौड़े व ऊपर चिनाए तथा ढाल तीव्र होते हैं।
- * गहरी हिमनद गार्फ जिनमें समुद्री जल भर जाता है तथा जो समुद्री तटरेखा पर होती है, उन्हें कियाँदू कहते हैं।

हिम-विदर/हिम दरार (Bergschrund)

- * एक हिमनद/दरार या दरारों की श्रुखला जो प्रायः किसी पर्वतीय हिमनद के शीर्ष के निकट पाई जाती है

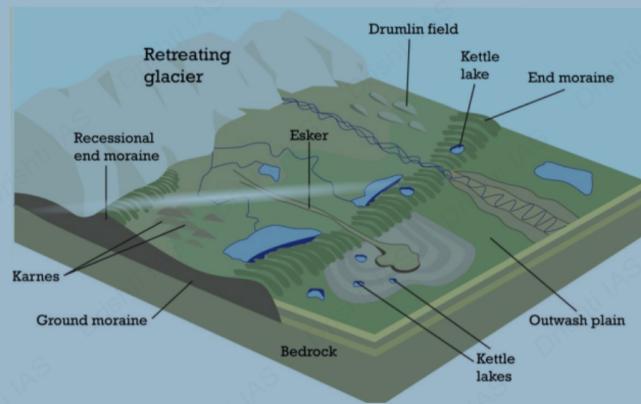
लटकती धारी (Hanging Valley)

- * तब बनती है जब हिमनद की वर्फ किसी मुख्य या टैक धारी से आच्छादित कर लेती है, जिससे सहायक नदी धारियाँ मुख्य धारी के तल से बहुत ऊपर लटकती हुई झूँझमान होती हैं।

शृंग पुच्छ (Crag and Tail)

- * शृंग: खड़ी ढलान वाली कठोर चट्टान का समूह।
- * पुच्छ: हिमनदों के मलबे के निष्केपण या हिमनद के पीछे हटने के कारण निर्मित।

निष्केपित स्थलरूप



हिमोढ़ (Moraines)

- * पार्विक हिमोढ़ (Lateral Moraines): हिमनदों के किनारों पर निर्मित

- * तलस्थ हिमोढ़ (Ground Moraines): अव्याप्तिश्वत व भिन्न मोटाइ के निष्केप

एस्कर (Eskers)

- * हिमनदों के भीतर या नीचे बहने वाली धाराओं द्वारा निर्मित रेत और बजारी के धुमावदार कटक

हिमानी धौत मैदान (Outwash Plains)

- * हिमनदों के पिघलने पर उनके साथ बहकर आने वाली रेत व बजारी का निष्केप

ड्रम्लिन (Drumlins)

- * तलछट की पर्वाइज़ीज़ जिन्हें हिमनद प्रवाह द्वारा सुरक्षित किया गया है।
- * लंबाई 1 किमी, तक और ऊँचाई 30 मीटर या उससे अधिक
- * आमतौर पर अंडो की टोकरी के समान दिखने वाली (basket of eggs) स्थलाकृति की टोकरी के रूप में वर्णित किया जाता है।